

# श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने पेरंबलूर में छोटे प्याजों के लिए साझा खाद्य प्रसंस्करण इनक्यूबेशन केंद्र का शुभारंभ किया

Posted On: 31 AUG 2017 5:31PM by PIB Delhi

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने आज यहां वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए तमिलनाडु के पेरंबलूर जिले के चेट्टीकुलम गांव में छोटे प्याजों (शालोट्स) के लिए साझा खाद्य प्रसंस्करण इनक्यूबेशन केंद्र का शुभारंभ किया।

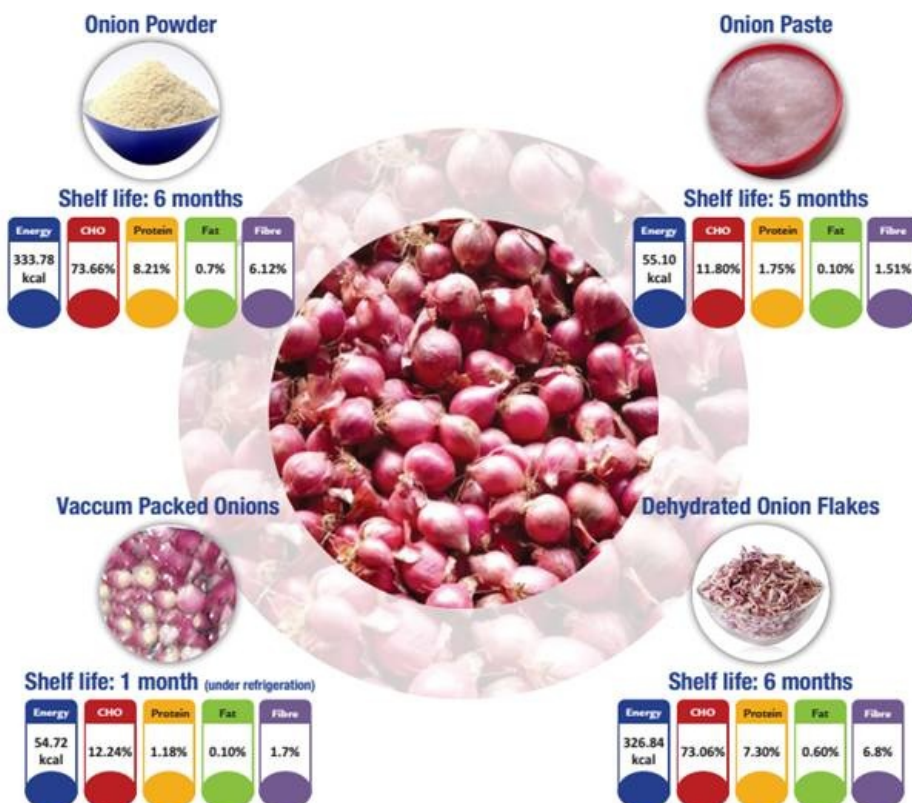
इस अवसर पर अपने संबोधन में श्रीमती हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि यह तमिलनाडु और खासकर चेट्टीकुलम गांव के लिए ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने 2022 तक किसानों के आय को दुगुना करने के लक्ष्य के प्रति इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी (आईआईएफपीटी, तंजावुर) के पहलों की सराहना की। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि पेरंबलूर जिले के किसान कृषि लागत में वृद्धि, अप्रत्याशित मौसम, बीमारी फैलने और बाजार में पर्याप्त कीमत नहीं मिलने के बावजूद 8,000 हेक्टेयर के कृषि क्षेत्र में प्रति वर्ष 70,000 टन छोटे प्याजों का उत्पादन करते हैं। पेरंबलूर का यह छोटे प्याजों के लिए केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र सुनिश्चित करेगा कि प्याज बर्बाद न हो, किसानों की आमदनी में वृद्धि हो और उपभोक्ताओं को छोटे प्याज उपलब्ध हों। छोटे प्याजों की यह तकनीक भारत के सभी भागों के लिए उपयोगी है।



इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी के निदेशक श्री सी. आनंदधर्माकृष्णन ने कहा कि उनके संस्थान ने प्रति वर्ष एक फसल के प्रसंस्करण की तकनीक तथा फसल के लिए संबंधित आधारभूत संरचना विकसित करने का निश्चय किया है। इस संबंध में पिछले वर्ष 'मिशन बनाना' (केला) को लागू किया गया और इस वर्ष 'मिशन अनियन' को लागू किया जा रहा है। पेरंबलूर जिले के चेट्टीकुलम गांव में छोटे प्याजों (शालोट्स) के लिए साझा खाद्य प्रसंस्करण इनक्यूबेशन केंद्र भी 'मिशन अनियन' अभियान का एक हिस्सा है, जो क्षेत्र के प्याज उत्पादकों का जीवन बेहतर करेगा। मूल्य संवर्द्धन के माध्यम से यह केंद्र किसानों के आय को दुगुना करने में सहायता प्रदान करेगा। यह केंद्र छोटे प्याजों का प्रसंस्करण करेगा और चार प्रकार के उत्पाद तैयार करेगा- ताजे छोटे प्याज, छिलका उतारे हुए छोटे प्याज, प्याज पाउडर, प्याज पेस्ट, प्याज के बारीक कतरन। उन्होंने बताया कि आईआईएफपीटी मिशन कोकोनट पर कार्य कर रहा है, जिसका शुभारंभ अगले वर्ष विश्व नारियल दिवस (2 सितंबर, 2018) के अवसर पर किया जाएगा।

## पृष्ठभूमि

पेरंबलूर जिला छोटे प्याजों के उत्पादन का केंद्र है यहां प्रतिवर्ष 8,000 हेक्टेयर में छोटे प्याज की खेती की जाती है और उत्पादन लगभग 70,000 टन प्रतिवर्ष है। किसानों ने भारी घाटे की शिकायत की। इसका कारण संभवतः पारंपरिक रूप से रख-रखाव किया जाना और भंडारण है। इस क्षेत्र के सभी साझेदारों ने कहा कि बर्बादी को रोकने के लिए तकनीकी समाधान आवश्यक है। इस संबंध में किसान उत्पादक यूनियन की भी शुरुआत हुई जो इस पहल में हिस्सा लेगा।



आईआईएफपीटी ने तीन मशीनें विकसित की हैं।

1. छोटे प्याज का जड़ व तना काटने की मशीन
2. छोटे प्याज को छीलने की मशीन
3. सौर सहायता से चलने वाली प्याज भंडारण इकाई

यह केंद्र 4 मूल्यवर्द्धित उत्पाद बनाएगा-

1. प्याज पाउडर
2. प्याज पेस्ट
3. छिलका उतारे हुए प्याज की वैक्यूम पैकिंग
4. प्याज की बारीक कतरनें

मूल्यसंर्द्धन के फायदे-

1. भंडारण से होने वाले नुकसान में कमी
2. रख-रखाव में आसानी
3. सेल्फ लाइफ में वृद्धि
4. आय में वृद्धि
5. स्थानिक किसानों को बड़े बाजार की उपलब्धता
6. रोजगार सृजन

मात्र उचित रख-रखाव व भंडारण से छोटे प्याज 15 दिनों तक उपयोग के लायक रह सकते हैं,लेकिन मूल्यवर्द्धन से प्याज पाउडर 6 महीनों तक, प्याज पेस्ट 5 महीनों तक, छिलका उतारे हुए तथा वैक्यूम पैकिंग किए हुए प्याज 1 महीने तक तथा प्याज की बारीक कतरनें 6 महीने तक उपयोग की जा सकती हैं। इस प्रकार यह प्याज की सेल्फ लाइफ बढ़ाता है और किसानों को भी अपनी फसल के लिए बेहतर कीमत मिलती है।

\*\*\*

वीके/जेके/एसकेपी/सीएल/-3589

(Release ID: 1501382) Visitor Counter : 8

